सिटी Express
राज एक्सप्रेस
खंडवा ■ बुरहानपुर
16
बुधवार ■ 9 मई 2012
www.rajexp

सात माह बाद वह लौटा घर

खंडवा एक्सप्रेस

महाराष्ट्र की समाजसेवी संस्था मानसिक कमजोर युवक को लेकर आई खंडवा

सात माह बाद वह लौटा घर

■ राज न्यूज नेटवर्क

खंडवा। मां भगवती के प्रति मां की अपार श्रद्धा, भाई की अपार भक्ति और स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से विगत सात माह बाद युवक को आखिकार आशियाना फिर से मिल ही गया। माली कुंआ के समीप रहने वाली नर्मदाबाई यादव का 22 वर्षीय पुत्र गोपाल मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण सात माह पूर्व 21 अक्टूबर को घर से लापता हो गया था। सात-आठ वर्ष पूर्व गोपाल अपने पिता हीरालाल यादव की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाया था और वह मानसिक रूप से तनाव में रहता था जिसके कारण उसने अपना घर छोड़ दिया था।

परिजनों को गोपाल के चले जाने का काफी दु:ख था और निरंतर मां हिंगलाज माता से यही प्रार्थना करते थे कि हमारा गोपाल ठीक हालत में हो और घर वापस आ जाए।

खुशी का रहा माहौल

मंगलवार को करजत महाराष्ट्र की श्रद्धा पुर्नवास संस्थान के समाज सेवी डा. पी.पाटिल एवं यशुदास स्टीफन प्रातः 10.30 बजे गोपाल यादव को लेकर माली कुंआ स्थित उनके निवास पहुंचे। अपने बालक गोपाल को देखकर मां नर्मदाबाई एवं भाई सचिन यादव ने उसे गले लगाया।

परिवार में उसके आने से खुशी का माहौल बन गया। गुम हुए गोपाल के लिए उसके भाई सचिन ने मन्नत स्वरूप चप्पल छोड़कर दाढ़ी नहीं बनाने का फैसला लिया ईश्वर का चमत्कार ही रहा कि मानसिक रूप से त्रस्त गोपाल यादव परिजनों के बीच पहुंच गया। गोपाल को देखते ही नर्मदा बाई ने जो कि अपने बच्चे की लगभग आस छोड़ चुकी थी उसे पाकर गले लगा लिया और रोते हुए इतना ही कहा कि देवी मां ने एक मां को उसके बेटे से मिलाया।

संस्था की पहल

समाज सेवी सुनील जैन ने बताया कि समाज सेवा ही ईश्वर सेवा है इसी के चलते बिछड़े लोगों को अपने संस्थान में परवरिश देकर उनके खाने-पीने ठहरनें एवं उच्च इलाज की व्यवस्था करते हुए वर्ष 2006 से देश की पहली संस्था श्रद्धा पुर्नवासन जो मानसिक रूप से पीड़ित एवं घर से बिछड़े हुए लोगों की सेवा अपने संस्थान में करती है और जैसे ही परिजनों से बिछड़े हुए व्यक्तियों के परिवार की जानकारी प्राप्त होती है संस्था स्वयं अपने यहां कार्यरत समाजसेवी के माध्यम से उस द्वार तक पहुंचाती है।

खंडवा। गुम युवक के घर पहुंचने पर परिवार में खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

गोपाल यादव को भी डा. पी.पाटिल एवं यशुदास स्टीफन मुंबई से खंडवा लाए और परिजनों से मिलाया। इस अवसर पर इन समाजसेवियों का गोपाल के परिजनों के साथ ही समाजसेवी सुनील जैन, राजू यादव, पापन्ना यादव, रूपचंद यादव, दिलीप यादव, नितिन इंवर, टीनू राठौर, संतोष यादव, बबलू राठौर ने मुंबई से आए संस्था के समाजसेवियों का आत्मीय स्वागत करते हुए पुष्प माला पहनाई। साथ ही इनके साथ आए एक और बारह वर्ष से लापता मप्र के नरसुल्लागंज के शिक्षक रेवाशंकर माहेश्वरी इस संस्था को फरवरी में हैदराबाद में मिले थे संस्था द्वारा इनकी देखरेख के साथ इलाज किया गया। इलाज के दौरान उन्होंने अपने परिजनों की जानकारी दी। वहीं एक और बंडा सागर की महिला संतोषी बाई भी 20 वर्ष से घर से लापता थी उसे भी संस्था द्वारा उच्च इलाज करते हुए उनके परिजनों को सौंपा जा रहा है।

दादाजीधाम के किए दर्शन

गुमशुदा गोपाल यादव को खंडवा में छोड़ने के पश्चात माली कुंआ निवासी राजू यादव के द्वारा अपना वाहन उपलब्ध कराकर महिला संतोषी बाई एवं रेवाशंकर माहेश्वरी को खंडवा से रवाना किया गया। इसके पूर्व यह सभी दादाजी धाम भी पहुंचे जहां पूजा-अर्चना करने के पश्चात किशोर दा की समाधि व स्मारक देखने भी पहुंचे।

है सफलता का लंबा इतिहास

वर्ष 2006 से समाजसेवी बाबा आमटे की प्रेरणा से भारत के रास्तों पर भटकने वाले मनोरोगियों की सेवा में डा. भारत वटवानी की देखरेख में मुंबई के समीप करजत महाराष्ट्र में इस संस्थान का निर्माण किया जाकर अभी तक इस संस्था द्वारा बारह सौ बिछड़े लोगों को अपने परिजनों से मिलाने वाली इस संस्था के पास अभी भी 60 पुरुष एवं 20 महिलाएं मौजूद होकर स्वास्थ लाभ ले रही है।

स्कीझोफ्रिनिया एक गंभीर मानसिक बीमारी है जो दुनिया भर में स्वास्थ्य संबंधी बड़ी समस्या है देश की लगभग एक प्रतिशत आबादी इस रोग से ग्रस्त है और इस बीमारी के चलते पीड़ित अपना घर बार छोड़ देते है और यह संस्था उन पीड़ितों को ढूंढकर अपने संस्था में मानव सेवा के नाते उनकी देखरेख उच्च इलाज कराकर जैसे ही परिजनों की जानकारी प्राप्त होती है उन्हें उनके घर तक पहुंचाने का दायित्व निभा रही है।